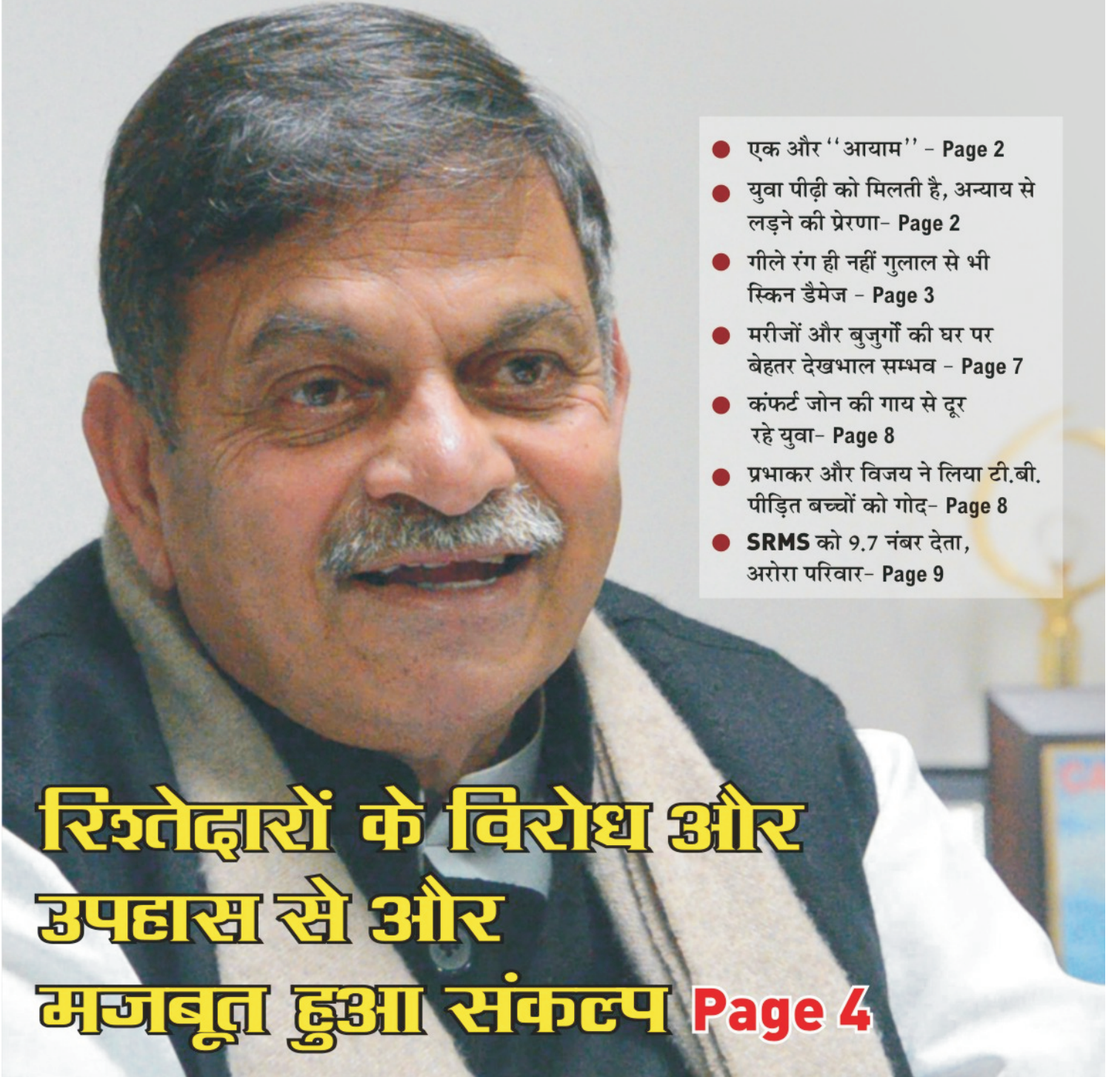


March 2020



**SRMS Trust Bulletin**

# आयाम



- एक और “आयाम” – Page 2
- युवा पीढ़ी को मिलती है, अन्याय से लड़ने की प्रेरणा- Page 2
- गीले रंग ही नहीं गुलाल से भी स्किन डैमेज – Page 3
- मरीजों और बुजुर्गों की घर पर बेहतर देखभाल सम्भव – Page 7
- कंफर्ट जोन की गाय से दूर रहे युवा- Page 8
- प्रभाकर और विजय ने लिया टी.बी. पीड़ित बच्चों को गोद- Page 8
- **SRMS** को 9.7 नंबर देता, अरोरा परिवार- Page 9

**रिश्तेदारों के विरोध और  
उपहास से और  
मजबूत हुआ संकल्प Page 4**



## एक और "आयाम"...

"आयाम" का पहला अंक आपके हाथों में है। इसको लेकर कई सवाल आपके जेहन में होंगे। लाजिमी है... यह आयाम (बुलेटिन) क्यों और आयाम (नाम) ही क्यों? पहला सवाल यह आयाम क्यों? फैलते, बढ़ते, और विकसित होते एसआरएमएस ट्रस्ट की सभी शाखाओं को एक मंच देने की कोशिश का यह परिणाम है। यह प्रयास है ट्रस्ट परिवार के सदस्यों की उपलब्धियों से अनजान दूसरे सदस्यों को जानकारी देने का। प्रोत्साहित करने का। उन्हें आगे ले जाने का। बढ़ रहे परिवार को एक सूत्र में पिरोने का और हर वह जरूरी जानकारी देने का, जो हमें एक परिवार होने के नाते जानना जरूरी हो। इस प्रयास को और बेहतर बनाने के लिए आपका भी आह्वान है। आप भी सुझाव दें। सहयोग दें, जिससे यह "आयाम" हर माह और बेहतर स्वरूप में आपके सामने आ सके।

दूसरा सवाल "आयाम" ही क्यों। तीस वर्ष में एसआरएमएस ट्रस्ट नई ऊंचाइयों पर है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, स्वास्थ्य, मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में सफलतापूर्वक अपना योगदान दे रहा है। ऐसे में एसआरएमएस ट्रस्ट और इसकी इन सभी शाखाओं को एक शब्द से परिभाषित करना मुश्किल है। यह "आयाम" ही एक ऐसा शब्द है जिसमें Amplitude, Dimension, Expansion, Extension, Width सब समाये हुए हैं। जो एसआरएमएस ट्रस्ट की तरह व्यापक हैं और इसकी सभी शाखाओं को परिभाषित करने, प्रतिनिधित्व करने में सक्षम भी। तो अपने महत्वपूर्ण कार्य में से समय निकाल कर आप भी शामिल होइये "आयाम" में और बढ़ाइये खुद का भी "आयाम"। पहला अंक समर्पित है एसआरएमएस ट्रस्ट के ओजस्वी, दूरदर्शी चैयरमैन देव मूर्ति जी को।

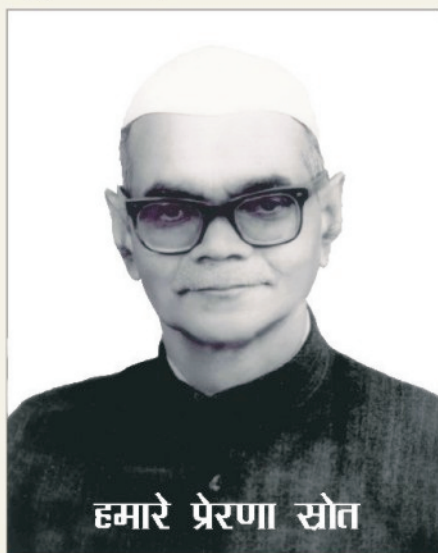
जय हिंद, जय एसआरएमएस ट्रस्ट...

### EDITORIAL TEAM

Amit Awasthi	- Editor
Rishabh Tiwari	- Correspondent
Yasmeen Khan	- Designer
Indu Dixit	- Photographer
Vineet Sharma	- (Co-Ordinator, IMS)
Dr. Vijai Sharma	- (Co-Ordinator, CET)
DR. Ekta Rastogi	- (Co-Ordinator, IBS)

**Mail us:** amit.awasthi@srms.ac.in, www.srms.ac.in  
13 km., Ram Murti Puram, Bareilly-Nainital Road,  
Bhojipura, Bareilly (U.P.) Mob.: 9458706090

## युवा पीढ़ी को मिलती है अन्याय से लड़ने की प्रेरणा



हमारे प्रेरणा स्रोत

स्व. श्री राम मूर्ति जी  
08.02.1910 - 02.10.1988

स्वतंत्रता सेनानी राममूर्ति जी का जन्म 8 फरवरी 1910 को बरेली के गांव धौरा में जर्मींदार साहू ठाकुरदास के यहां हुआ। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में शिक्षा के दौरान वह महामना मदन मोहन मालवीय जी के संपर्क में आए। उनके निर्देश पर कुंभ में स्वयं सेवक बन कर प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद) गए। यहीं से उन्होंने देश सेवा का प्रण लिया। अंग्रेजों के खिलाफ जारी स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए। वाराणसी से मुंबई (दो अगस्त 1930) पहुंच जाकर उन्होंने महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन का समर्थन किया। नाराज अंग्रेज सरकार ने वापस लौटते समय उन्हें हमीरपुर में गिरफ्तार कर लिया। राम मूर्ति जी को कारावास की सजा हुई। इसके बाद भी आंदोलनों में शामिल होने और कारावास में जाने का सिलसिला चलता रहा। राम मूर्ति जी को आजाद भारत में कांग्रेस सरकार ने भी गिरफ्तार किया। उन्हें कारावास भेजा गया। वजह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपात काल और उसकी ज्यादतियों का विरोध करना था। ऐसे प्रेरणा स्रोत युवा पीढ़ी को अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देते रहेंगे।

### Vision

- To be partner in building India a world leader in Medical Education & Health Care.
- To establish & develop world class self reliant institute for imparting Medical and other Health Science education at under-graduate, post-graduate & doctoral levels of the global competence.
- To serve & educate the public, establish guidelines & treatment protocols to be followed by treating hospitals.
- To develop and provide professionally qualified doctors for augmenting the nations human resources through Bio-Medico-Socio-epidemiological scientific research.
- To provide quality & affordable health care facilities and services to all sections of society.

### Values

Integrity Excellence  
Fairness Innovativeness



### Mission

- To strive incessantly to achieve the goals of the Institution.
- To impart academic excellence in Medical Education.
- To practice medicine ethically in line with the global standard protocols.
- To inculcate high moral, ethical and professional standards among students and to improve their overall personality as well as to inculcate compassionate behaviour.
- To evolve the Institution to the status of a Deemed University.
- Our Students- Our Assets.
- Our Staff- Our Means.



# गीले रंग ही नहीं गुलाल से भी स्किन डैमेज

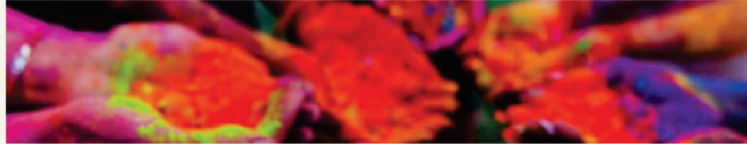
बरेली: कुछ ही त्यौहार ऐसे हैं जिनका हम सब साल भर इंतजार करते हैं। होली भी इनमें से एक है। रंग लगा कर एक दूसरे को बधाई देना और खुशी मनाना इसका अनिवार्य अंग है। इसके

• होली पर त्वचा रोग विशेषज्ञ की सलाह न करें  
नजरअंदाज, रंग खेलने से पहले जरूर बरतें सावधानी  
• एसआरएमएस आईएमएस के डर्मेटोलॉजिस्ट  
मधुरकांत रस्तोगी ने दिए रंग खेलने से पहले के टिप्स  
• कैमिकल युक्त रंग पहुंचाते हैं त्वचा को नुकसान,  
गंभीर हो सकती है रंगों के संपर्क से स्थिति



डॉ० मधुरकांत रस्तोगी

बिना होली की कल्पना ही बेमानी है। शरीर पर लगा रंग हटाना भले ही मुश्किल हो लेकिन रंगों को इस रंगीन त्यौहार से दूर नहीं किया जा सकता। हां पहले ही कुछ सावधानी बरत कर रंगों के दुष्प्रभाव को जरूर कम कर सकते हैं। एसआरएमएस मेडिकल कालेज के डर्मेटोलॉजिस्ट डिपार्टमेंट के डा. मधुरकांत रस्तोगी भी यही सलाह देते हैं। उनके अनुसार गीले रंग ही स्किन को हानि पहुंचाते हैं गुलाल नहीं मानना गलत है। बाजार में आने वाला गुलाल भी आज कैमिकल युक्त है। इससे भी स्किन डैमेज हो सकती है। ऐसे में रंग खेलने से पहले स्किन को प्रोटेक्ट जरूर कर लें। डा. मधुरकांत रस्तोगी के अनुसार गीले रंग, गुलाल और अन्य दूसरे सूखे रंगों को माइका, लेड आक्साइड, डाई, कापर सल्फेट, शीशा जैसे अलग-अलग कैमिकल से बनाया जाता है। शरीर के संपर्क में आकर इससे त्वचा में महीन लाल दाने हो सकते हैं। जलन, सूखापन, रंग गहरा होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। एक्जिमा और एलर्जी भी कैमिकल युक्त रंगों से संभव है। यह कैमिकल सूर्य की रोशनी में मौजूद पराबैंगनी किरणों को त्वचा और नाखूनों में पहुंचा कर उसे काला भी करते हैं। ऐसे में कैमिकल युक्त रंगों के बजाय टेसू, गुलाब, चुकंदर और हल्दी से बने प्राकृतिक रंगों से होली खेलना ज्यादा मुफीद है। इसके बाद भी कैमिकल युक्त रंगों से बचाव जरूर कर लें। क्योंकि दूसरे के हाथ में कैसा रंग है आप नहीं जानते।



## रंगों के दुष्प्रभाव से त्वचा को बचाने के उपाय

- रंग खेलने से पहले पूरे शरीर पर नारियल तेल या लोशन लगाएं।
- नाखूनों पर अधिक मात्रा में तेल या वार्निश की मालिश करें।
- रंग खेलने से बीस मिनट पहले चेहरे और शरीर के खुले भागों पर 20 एसटीएफ युक्त सनस्क्रीन लोशन लगाएं।
- पूरी आंखों के कपड़े पहन कर ही रंग खेलें।
- रंग छुड़ाने समय त्वचा को रगड़ें नहीं, खूब पानी से धोयें। साधारण साबुन से एक बार नहायें। इसके बाद अधिक मात्रा में पूरी त्वचा पर माइशचुराइजर लगाएं।
- अगर खुजली, जलन हो या त्वचा की रंगत बदले। लाल हो, तो तुरंत अधिक पानी से धो लें। अधिक मात्रा में नारियल तेल लगाएं।
- सिर व नाखूनों में भी नारियल तेल की मालिश करें। एक घंटे बाद साफ पानी से धो लें।
- इन उपायों के बाद भी आराम न मिले। परेशानी बढ़ने लगे तो नजदीकी त्वचा रोग विशेषज्ञ से तुरंत संपर्क करें। खुद से कोई क्रीम या दवा न लें।

## 80 हजार से ज्यादा मरीजों तक पहुंची हॉस्पिटल ऑन व्हील्स

चार साल के कम समय में ही हॉस्पिटल ऑन व्हील्स ने 80 हजार से ज्यादा मरीजों की जांच का कीर्तिमान स्थापित किया है। इसकी वजह से कैंसर तक के मरीजों को खोज कर उनका इलाज किया गया। अक्टूबर 2015 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देव मूर्ति द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद से इस चलते फिरते अस्पताल ने बरेली मंडल के सभी 15 ब्लॉकों के साथ ही आसपास के जिलों रामपुर, पीलीभीत, शाहजहांपुर में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसकी मदद से मोतियाबिंद के 3498 मरीजों का उपचार किया गया। साथ ही डायबिटीज के 1997 और हाइपरटेंशन के 4026 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं, हॉस्पिटल ऑन व्हील्स में ग्रामीणों के दरवाजे पर ही निशुल्क 5540 जांचों की और उनकी रिपोर्ट दी।



## नई इमारत में शिफ्ट हुआ डर्मेटोलॉजी विभाग

सबसे ज्यादा मरीजों को देखने वाला डर्मेटोलॉजी विभाग 13 नंबर ओपीडी से अपने भवन में शिफ्ट हो गया। पहली मार्च को नए भवन में एसआरएमएस ट्रस्ट चेयरमैन देवमूर्ति जी ने हवन पूजन किया। जिसमें विभाग के एचओडी डा. प्रतीक गहलोत स्टाफ सहित शामिल हुए। दो मार्च से विधिवत नए भवन में ओपीडी आरंभ हो गई।



## मार्केटिंग टीम के निःशुल्क 34 कैंप में आए 4723 मरीज

फरवरी माह में मार्केटिंग टीम ने 34 कैंप आयोजित किए। यह कैंप बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत और बदायूं जिला मुख्यालयों और इनकी तहसीलों व गांवों में लगाए गए। इसके साथ ही रुद्रपुर, संभल, बाजपुर, सितारगंज, हल्द्वानी, रामपुर, खटीमा में भी आयोजित किए गए। न्यूरो सर्जरी, आर्थो, डर्मेटोलॉजी, कार्डियोलॉजी, कैंसर, ईएनटी, आर्थोपेडोलॉजी सहित कई अन्य विभागों के इन निःशुल्क जांच कैंपों में 4723 मरीज आए। मार्केटिंग टीम की ओर से पद्मावती एकेडमी, पुलिस मार्डन पब्लिक स्कूल व जी. एस. कॉन्वेंट स्कूल सितारगंज में भी बच्चों का भी निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मार्च माह में मार्केटिंग विभाग की ओर से 26 कैंप लगाए जाने की योजना है।



# रिश्तेदारों के विरोध और उपहास से और...

## ...मजबूत हुआ संकल्प

34 वर्ष की उम्र में आज युवा अपने करियर को लेकर फिक्रमंद होते हैं। कोई नौकरी के दवाबों से निपटने में पस्त होता है तो कोई ऊपरवाले से बेरोजगारी की शिकायत में मस्त। इस उम्र में जो सपना देखता है, उसे पूरा करने के लिए समाज से टकराने का जज्बा रखता है। दुनिया सलाम करती है। हिम्मत को सराहती है। बहुत कम ही लोग खुद पर और अपने सपनों पर यकीन कर पाते हैं। खुद पर यकीन करने वाले ऐसे ही शख्स हैं देव मूर्ति जी। जिन्हें आज लोग एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन के रूप में जानते हैं। उन्होंने भी इसी 34 वर्ष की उम्र में सपना देखा। पूरा किया और अपने पिता के नाम को अमर करने के साथ अपनी जिंदगी को भी उद्देश्यपूर्ण बना दिया। पेश है उनसे मुलाकात के अंश...

संवाददाता, बरेली: स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी नेता स्वर्गीय राम मूर्ति जी के नाम को चिरस्थायी रखने के संकल्प में बना एसआरएमएस ट्रस्ट पिता-पुत्र के स्नेह की अद्वितीय मिसाल है। लोगों की आलोचनाओं, रिश्तेदारों के तानों और पूंजी की कमी जैसे अवरोधों को पार कर हजारों लोगों के घरों को सींच रहा यह सपना आज किसी परिचय का मोहताज भी नहीं। जल्द ही निजी विश्वविद्यालय के नए कलेक्टर में आने को तैयार एसआरएमएस ट्रस्ट के पुष्पित होने की कहानी दरअसल ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति जी के दूरदर्शी होने और संघर्ष की कहानी है। ट्रस्ट के 30 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने इन वर्षों के अनुभव को साझा किया। कहा, प्रभु के आशीर्वाद, उसी की सोच और आदेश से कर्तव्य निभा रहा हूँ। इतने बड़े संसार में अपने दायित्व को पूरा करने के लिए भगवान ने मेरे जैसे छोटे व्यक्ति को चुना, बड़ी बात है। ऐसे में मुझे भी तन, मन, धन लगाना था। प्रभु को विश्वास दिलाना था कि आपने मुझे जो दायित्व दिया मैं उसे पूरा करूंगा।

**सवाल: एसआरएमएस ट्रस्ट बनाने का विचार आपको कैसे आया ?**

**देव मूर्ति जी:** मेरे पिता राम मूर्ति जी अंतिम दिनों में बीमार थे। बरेली में उन्हें ठीक से उपचार नहीं मिल पाया। अंततः दो अक्टूबर 1988 को वह देवलोक प्रस्थान कर गये। काफी दिन मैं सदमें में रहा। किसी काम में मन न लगना स्वाभाविक था। 34 वर्ष उम्र थी मेरी। पिता के नाम और उनके आदर्शों को चिरस्थायी रखने का ख्याल था। उनके नाम से ट्रस्ट बनाने का संकल्प लिया। 1990 में एसआरएमएस ट्रस्ट बना। 1991 में बरेली कालेज में निर्बल आय वर्ग के 11 विद्यार्थियों को 21 हजार रुपये की स्कालरशिप देने के साथ पिता के आदर्शों पर काम शुरू किया। आज 19 तरह की स्कालरशिप एसआरएमएस ट्रस्ट दे रहा है। जिसमें 20 हजार से सवा दो लाख रुपये तक की राशि दी जा रही है।



- एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा, संघर्ष के दौर को हमने गले लगा कर जीता
- 1990 में स्थापित एसआरएमएस ट्रस्ट के तीस वर्ष पूरे होने पर नये संकल्प और मुकाम का भरोसा
- विश्वविद्यालय के रूप में एसआरएमएस को विश्व में अलग पहचान दिलाने का लिया संकल्प
- समाजसेवा के साथ ही लोगों को रोजगार दिलाने और प्रतिभाओं को मंच देने में मिलता है संतोष

**सवाल: एसआरएमएस ट्रस्ट को मूर्त रूप देने में संघर्ष के दौर से कैसे निकले ?**

**देव मूर्ति जी:** संघर्ष (मुस्कुराते हुए)... लोगों ने तो मजाक उड़ाना शुरू कर दिया था। इंजीनियरिंग कालेज की बात पर परिवार के लोग मुझसे सवाल करने लगे कि देव मूर्ति इंजीनियरिंग कालेज की परिभाषा जानते हो। रिश्तेदार कहने लगे थे कि देव मूर्ति पर विश्वास मत करना। रुपये दिये तो मिलेंगे नहीं। बरेली के कई कथित दानी मठधीशों के पास गया। लेकिन उनसे भी कोई मदद नहीं मिली। सभी मुंह मोड़ रहे थे। पूंजी का अभाव था। ऐसे में ऊपरवाला (ऊपर दीवार पर लगी भगवान कृष्ण की फोटो की ओर इशारा करते हुए) सहायक बना। साधन बनते गए। धन प्राप्त होता गया। सबसे पहले क्रेशर बेच कर थोड़ी सी पूंजी

इकट्ठी की। धनराशि एकत्रित करने के लिए नई स्कीम शुरू की। आम लोगों से 50 हजार और एक लाख रुपये बैंक में डिपोजिट करने को कहा। बदले में बैंक के ब्याज के साथ नौकरी भी देने का वायदा किया। भरोसा दिलाया कि दो साल में नौकरी सरकारी ग्रेड के साथ स्थायी हो जाएगी। धीरे-धीरे लोगों का भरोसा बढ़ता गया। काम शुरू हुआ। शुरूआत में रुपये न मिलने के डर से बिल्डिंग बनाने के लिए ठेकेदार नहीं मिले। क्रेशर की लेबर और मिस्त्री से खुद खड़े होकर काम कराया। पिता जी के आशीर्वाद से लागत से 40 फीसद कम में इंजीनियरिंग कालेज की शानदार इमारत तैयार हुई। तब से आज तक काम जारी है। ऐसा कोई दिन नहीं हुआ जब एसआरएमएस ट्रस्ट के लिए दो से ढाई सौ मजदूर काम न कर रहे हों।



**सवाल:** पहली बार आपने अपने संकल्प को कब सार्वजनिक किया ?

**देव मूर्ति जी:** बाबू जी (राम मूर्ति जी) के जाने के बाद 1989 में शहर विधानसभा का चुनाव लड़ा। पहली सभा कोहाड़ापीर में थी। जहां मैंने पहली बार बरेली में मेडिकल और इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना का वायदा किया। तब केवल सरकारी संस्थानों में ही यह शिक्षा मिलती थी। ऐसे में यह घोषणा बहुत बड़ी बात थी। तीन साल बाद 1992 में बरेली कालेज सभागार में बाबू जी की स्मृति में हुए कार्यक्रम के दौरान मैंने फिर इंजीनियरिंग और मेडिकल कालेज की स्थापना की घोषणा दोहराई। लोगों ने मजाक में कहना शुरू किया कि देव मूर्ति अब नेता बन गया है। लेकिन मैं अपने संकल्प पर लगा रहा। आज एसआरएमएस ट्रस्ट युवाओं को शिक्षा दिलाने के साथ ही समाजसेवा के तमाम काम कर रहा है। किसी भी मरीज को धन के अभाव में मरने न देना और बेहद कम कीमत पर सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना हमारा संकल्प है। ट्रस्ट की ओर से प्रति वर्ष 2.25 लाख रोगियों को 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की दवाईयां नि:शुल्क दी जाती हैं।

**सवाल:** ट्रस्ट का पहला संस्थान कैसे और कब शुरू हुआ ?

**देव मूर्ति जी:** प्रदेश के पहले सेल्फ फाइनेंस इंजीनियरिंग कालेज को खोलने का श्रेय एसआरएमएस को मिला। दिसंबर 1994 में इसकी अनुमति मिली। लेकिन अपना कैपस न होने से हमने एक वर्ष बाद 1995 में प्रवेश आरंभ किया। पहले सत्र में इंजीनियरिंग की दो ब्रांचों में 240 बच्चों ने एडमिशन लिया। आज इंजीनियरिंग कालेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या तीन हजार से ज्यादा है। यह और ज्यादा होती लेकिन, हमने क्वालिटी से कोई कंप्रोमाइज नहीं किया। सीटें नहीं बढ़ाईं। हमारा मकसद रहा कि जो विद्यार्थी यहां पढ़े वह पूर्ण ज्ञान ले जाएं। इसी बदौलत करीब 21-22 बैच निकल गए। ज्यादातर को बेहतर प्लेसमेंट मिला। कोई 19 लाख का सालाना पैकेज लेकर यहां से निकला तो कोई पांच से 12 लाख। सभी का अपनी काबिलियत के अनुसार प्लेसमेंट हो रहा है।

**सवाल:** क्या इंजीनियरिंग कालेज शुरू होने के बाद लोगों की सोच कुछ बदली ?

**देव मूर्ति जी:** किसी को आगे बढ़ते कौन देखना चाहता है। इंजीनियरिंग कालेज की अनुमति के बाद भी लोग रोड़े लगाते रहे। एफिलिएशन न मिले, इसकी चालें चलती रहीं। फिर भी एफिलिएशन मिला। सत्र आरंभ हुआ। एडमिशन शुरू हुआ। बच्चे पढ़ने लगे। तो फिर कालेज में तोड़फोड़ कराई गई। राजनीति शुरू हुई। आज भी लोग इसमें लगे हैं। अब पीठ पीछे ऐसा हो रहा है।

**सवाल:** समाजसेवा के लिए लोग राजनीति में आते हैं फिर आपने राजनीति छोड़ समाजसेवा को क्यों चुना ?

**देव मूर्ति जी:** दो घोड़ों पर जो भी चढ़ेगा। गिर जाएगा।



हेल्थ केंद्र सर्विस कैटेगरी में एस.आर.एम.एस. ट्रस्ट को आर.एम.ए. एक्सेलेन्स अवार्ड दिया गया, केन्द्रीय राज्य मंत्री संतोष गंगवार ने यह अवार्ड ट्रस्ट चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी को प्रदान किया।

शुरू में मैं भी दोनों क्षेत्रों को साथ लेकर चला। मैं किसी एक के साथ भी न्याय नहीं कर पा रहा था। राजनीति दलदल की तरह लगने लगी। लगा अगर फंस गए तो निकलना संभव नहीं होगा। ऐसे में शिक्षा क्षेत्र में लोगों को ज्ञान और, रोजगार देना ज्यादा जरूरी लगा। ऐसा कर डाक्टर, वैज्ञानिक देकर समाज को ज्यादा विकसित करने की उम्मीद दिखी। प्रभु की दी हुई सोच को आदेश समझा, राजनीति से ज्यादा समाजसेवा को महत्व दिया। आज भी अपने फैसले पर कायम हूँ।

**सवाल:** राजनीति में अनफिट मानना तो कहीं इसे छोड़ने की वजह नहीं ?

**देव मूर्ति जी:** ऐसा कुछ नहीं है (मुस्कराते हुए) राजनीति मेरे खून में है। क्रिश्चियन कालेज में दसवीं कक्षा से ही मैं राजनीति में सक्रिय था। लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ में सेक्रेटरी बना। एनएसयूआई की राजनीति की। बरेली में रिवक्शा चालक यूनियन का संरक्षक रहा। पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी की कोर टीम थी। 11 लोगों की। उसमें भी सबसे युवा सदस्य रहा हूँ। पूरी राजनीति जानता हूँ। आज के जमाने की भी। दूसरों को ट्रेंड करने के साथ आज भी राजनीति कर सकता हूँ। (हंसते हुए) चुनाव लड़ना भी जानता हूँ। मेरे पिता जी आजादी से पहले 1946 के चुनाव में एमएलए बने थे। अंतिम सांस तक वह राजनीति में रहे। वह गांधीवादी विचारधारा के थे। जब मैं उनके साथ राजनीति में आया तब तक गांधीवाद समाप्त हो चुका था। मैंने हमेशा मुहों पर राजनीति की। आज भी जिले का या प्रदेश का ऐसा कोई राजनीतिज्ञ नहीं जो मुझे जानता न हो। सम्मान न देता हो। उम्र में भी बड़ा हो गया हूँ। हर दल के लोग अब मुझसे आशीर्वाद लेते हैं। सभी को सही सलाह देता हूँ। राजनीति में आकर्षण है। इसे छोड़ने की वजह समाजसेवा को ज्यादा जरूरी समझना है।

**सवाल:** किस राजनीतिक विचारधारा की ओर झुकाव है आपका ?

**देव मूर्ति जी:** सभी दलों में मेरे चाहने वाले हैं। लेकिन मेरा



झुकाव, रुझान कांग्रेस की ओर है (मुस्कराते हुए) हालांकि आज कांग्रेस अपनी विचारधारा से हट गई है। समय बड़ा परिवर्तन लाता है। आज सिर्फ कांग्रेस नहीं, सभी दलों की विचारधारा बदल रही है। देश को आगे ले जाने की सोच ही खत्म हो गई। युवा पीढ़ी लगी है। विश्वास है थोड़े दिनों में सब ठीक हो जाएगा। व्यक्तिगत विचारधारा से पार्टी की विचारधारा हमेशा से बड़ी रही है। विश्वास है कि कांग्रेस भी व्यक्तिगत प्रभाव से निकलेगी। पार्टी की विचारधारा को तबज्जो मिलेगी।

**सवाल:** ट्रस्ट की स्थापना के 30 वर्ष हो गए। आपका कुछ नया संकल्प ?

**देव मूर्ति जी:** वर्ष 2020 शुरू हो गया है। प्रदेश सरकार ने एसआरएमएस ट्रस्ट के विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। हमें परमीशन मिल गई है। अब ट्रस्ट नयी दिशा में चल कर विश्व में अपना स्थान बनाने का प्रयास करेगी। हमारी कोशिश होगी कि जिस तरह हमारे



देश के युवा विदेश जाकर पढ़ते हैं। रिसर्च करते हैं। वैसा की कुछ यहां हो। ऐसे कोर्स और संसाधन लाए जाएं कि दूसरे मुल्कों के युवा एसआरएमएस विश्वविद्यालय में आकर पढ़ें। दुनिया में बरेली को एसआरएमएस विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाए। आदिकाल से बाहर के लोग साहित्य पढ़ने, जीवन को समझने भारत आते रहे हैं। हम भी उन्हें यह अवसर देंगे। मेडिकल, इंजीनियरिंग, कानून और पैरामेडिकल में रिसर्च करने विदेशी युवा यहां आएंगे। जिन्हें हम बाबू जी के विचार, उनके आदर्श, देश की संस्कृति से परिचित कराने का काम करेंगे।

**सवाल: बाबू जी को छोड़ कर कोई अन्य रोल मॉडल है आपका ?**

**देव मूर्ति जी:** मैं बेइमानी की बात नहीं कहूंगा। आज कोई भी ऐसा राजनीतिज्ञ नहीं जो अपना अलग स्थान बनाए हुए हो। जो खुद के बजाय देश के लिए सोच रहा हो। आज आप सर्वलाइट लेकर भी निकलें लेकिन, शायद ही ऐसा कोई आदर्श व्यक्ति आपको मिले। कोई बिरादरी की राजनीति कर रहा है तो कोई जाति की, धर्म की राजनीति कर रहा है। देश की राजनीति कोई नहीं कर रहा। समाज और देश को एक नेक विचारधारा दे। एक सोच दे। जाति, धर्म के दलदल से उठ कर भारत को नयी दिशा दे। राष्ट्रीय विचारधारा देकर युवाओं को मजबूत करे। ऐसा कोई नहीं दिख रहा। लेकिन मैं निराश नहीं हूँ। एक दिन ऐसा होगा। कोई नौजवान ऐसा करेगा। जिसके पीछे पूरा हिंदोस्तान चलेगा। यह सपना नहीं होगा। विश्वास है भविष्य में ऐसा कोई व्यक्ति जरूर आएगा।

**सवाल: आप अनुशासन प्रिय हैं, आज युवाओं में संस्कार कम हो रहे हैं, क्या कहेंगे ?**

**देव मूर्ति जी:** नई पीढ़ी को संस्कार कौन सिखाएगा। मां-बाप, गुरु, स्कूल, समाज। आज परिवार एक कमरे, एक मोबाइल में सिमट कर रह गया। न बच्चों को बड़ों की चिंता है और न बड़ों को बच्चों की। आप कहीं भी किसी भी घर जाइये। आपको सभी अपने मोबाइल में लगे मिलेंगे। तो संस्कार कहां से आएंगे। फैमिली न्यूक्लियर होती जा रही हैं। दादी- नानी भूल गए बच्चे। आज दादी घर आ जाए तो भार लगता है। आजादी में खलल पड़ जाता है। बड़े बुजुर्ग कुछ कह दें तो लगता है कि गोली मार दी उन्होंने। संस्कार को हमने अपने सबने खत्म कर दिया। जिन परिवारों में आज भी बड़े बूढ़े हैं। संस्कार हैं। भारतीय संस्कृति और विचार न खत्म हुआ है और न ही होगा। कुछ हमारे जैसे लोग हैं जो हमेशा यह मशाल लेकर दौड़ेंगे। उन्हें देख कर दूसरे भी आगे आएंगे। मशाल अगली पीढ़ी के लिए आगे ले जाएंगे। एसआरएमएस में हर व्यक्ति को हर बच्चे को संस्कार दिया जाता है। भारतीय संस्कृति का ज्ञान कराया जाता है। रिश्ते क्या हैं बताया जाता है। एसआरएमएस छह हजार से ज्यादा लोगों का परिवार है। 24 हजार से ज्यादा



वर्ष 2002 में मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन पर पूजन करते हुए चेयरमैन देव मूर्ति जी



लोग सीधे तौर पर जुड़े हैं। अपरोक्ष रूप से भी हजारों लोग जुड़े हैं। हम संस्कारों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

**सवाल: युवाओं और समाजसेवा के इच्छुक लोगों को क्या संदेश देंगे ?**

**देव मूर्ति जी:** युवाओं के लिए जरूरी है कि वह समय को समय समझें और महत्व दें। समय की गति इंसान से दस गुना तेज है। यदि समय को पकड़ना है तो संयम के साथ अपने विचारों पर चलना पड़ेगा। युवा पीढ़ी विचार जरूर बनाए, आलस छोड़े। अपने काम पर पूरा ध्यान दे। पिता जी को ऑल टाइम एटीएम समझने और उनके दम पर ऐश करने के बजाय खुद आगे बढ़े। दूसरों के बजाय खुद के भरोसे अपने सपने पूरे करें। सफलता जरूर मिलेगी। अब दूसरी बात, दूसरे के कंधों पर या सत्ता के बल पर समाजसेवा नहीं की जा सकती। मैंने भी खुद के भरोसे ही समाजसेवा शुरू की। 21 हजार रुपये से शुरू की स्कालरशिप आज 3.5 करोड़ पहुंच गई है। इसके लिए किसी से चंदा नहीं मांगा गया। जो भी कर रहा हूँ वह अपनी आय से ही। खुद से ही शुरू करें समाजसेवा। तभी लोग आपका सम्मान करेंगे। सत्ता तो आनी-जानी है।

## INSTITUTIONS ESTABLISHED & RUN BY THE SRMS TRUST

- SRMS College of Engg. & Tech., Bareilly - 1996
- SRMS College of Pharmacy, Bareilly - 2000
- SRMSIMS - Bareilly - 2002
- SRMS Institute of Medical Sciences, Bareilly - 2005
- SRMS School of Nursing, Bareilly - 2006
- SRMS College of Engg., Tech. & Research, Bly - 2008
- R.R. Cancer & Research Centre, Bareilly - 2008
- SRMS Institute of Paramedical Sciences, Bareilly - 2011
- SRMS International Business School, Lucknow - 2011
- SRMS College of Engg. & Tech., Unnao - 2011
- SRMS Charitable School, Lucknow - 2015
- SRMS Functional Imaging & Medical Centre, Lko - 2015
- SRMS College of Nursing, Bareilly - 2017
- SRMS Goodlife (A Wellness Center), Bareilly - 2018
- SRMS Hospital, Unnao - 2018
- SRMS College of Law, Bareilly - 2018
- SRMS College of Nursing & Para. Sci., Unnao - 2018
- SRMS Step2Life, Lucknow - 2019





# न करें चिंता, मरीजों व बुजुर्गों की... घर पर बेहतर देखभाल संभव

बरेली: आपके परिवार में किसी न किसी सदस्य को कभी न कभी स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा होगा। जरूरी देखभाल के लिए भी अवकाश न मिलने या दूसरी व्यस्तताओं से उनके लिए समय न निकल पाने पर आप परेशान भी हुए होंगे। घबराइये नहीं, ऐसी समस्या से आप ही नहीं हम सबका सामना हुआ है। लेकिन अब ऐसी किसी भी समस्या का समाधान आपके पास उपलब्ध है। घर में किसी भी मरीज या बुजुर्ग की बेहतर देखभाल अब आपकी अनुपस्थिति में भी संभव है। वह भी ट्रेड नर्सिंग अटेंडेंट द्वारा। होम नर्सिंग की इस सुविधा के लिए ज्यादा कुछ नहीं करना, बस आपको एसआरएमएस फोन करने की जरूरत है। तो सोचिए नहीं, उठाइए फोन और मिलाइए नम्बर 0581-2582000

शहर से दूर बच्चों का नौकरी करना और घर में बुजुर्ग मां-बाप का अकेले रहना आज सबसे बड़ी समस्या बन गया है। मां-बाप बच्चों के पास जाना नहीं चाहते या जा नहीं सकते। करियर की आपाधापी में बच्चों का भी पास रहना या उनके लिए समय निकालना संभव नहीं। ऐसे में बच्चों को परेशान न करने की कोशिश में बुजुर्ग मां-बाप अपनी सेहत संबंधी परेशानी भी छुपाने लगते हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में मदद की कितनी भी जरूरत हो। विश्वास न होने से वह आस-पड़ोस या किसी अजनबी की मदद भी नहीं लेते। अब ऐसे लोगों को सुविधा देने के लिए एसआरएमएस डॉ. श्री राममूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस ने कदम बढ़ाया है। बरेली विकास प्राधिकरण क्षेत्र के निवासियों के होम नर्सिंग की सुविधा उपलब्ध कराई है। एक फोन काल के जरिये मामूली खर्च पर यह सुविधा आप भी हासिल कर सकते हैं। जिसमें नर्सिंग अटेंडेंट उपलब्ध कराये जा रहे हैं। जो मरीजों या बुजुर्गों को नहलाने, कपड़े बदलवाने, खाना खिलाने, समय से दवाइयां खिलाने के साथ ही बीपी, पल्स, टेंप्रेचर की भी जांच में भी सक्षम हैं।

यह फिजियोथेरेपी देने के साथ ही इंसुलिन देने में भी ट्रेड हैं। बुजुर्गों की बात सुनना और उन्हें कहानियां सुनाने में पारंगत होने के साथ ही बेसिक लाइफ सपोर्ट में भी प्रशिक्षित होने से ये नर्सिंग अटेंडेंट हृदयगति रुकने जैसी स्थिति में तत्कालिक प्राथमिक कार्रवाही में भी सक्षम हैं। किसी भी इमरजेंसी में नर्सिंग अटेंडेंट प्राथमिक उपचार भी करेंगे और विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में मरीज को एसआरएमएस भी शिफ्ट करवाएंगे।

- विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में ट्रेड स्टाफ कर रहा है जरूरतमंद की उचित तीमारदारी
- एसआरएमएस ने पहली फरवरी तो बरेली के लोगों को ही होम नर्सिंग की सुविधा
- मरीज को खाना कराने से लेकर इमरजेंसी में भी मदद करने में सक्षम है यह नर्सिंग अटेंडेंट
- अकेलेपन से दूर करने के लिए बुजुर्गों को प्रेरक कहानियां सुनाने की भी दी गई है स्टाफ को ट्रेनिंग
- शहर से मिल रहा बेहतर रिस्पांस, कई परिवारों ने ली 24 घंटों के लिए अटेंडेंट की सुविधा

## समय की जरूरत है यह सुविधा

स्वस्थ होने के बाद भी ज्यादातर लोग अस्पताल से जाने के बाद, घर में सही देखभाल न होने से, फिर बीमार हो जाते हैं। या रिकवरी में काफी समय लगता है। आईसीयू में जरूरत न होने के बाद भी कई बार घरवाले अस्वस्थ व्यक्ति को वार्ड में शिफ्ट नहीं करते। इसकी वजह आईसीयू में स्टाफ का देखभाल के लिए 24 घंटे अटेंडेंट उपलब्ध रहना है। समय न निकाल पाने वाले ऐसे कामकाजी परिजनों के लिए भी होम नर्सिंग की सुविधा वरदान साबित हो रही है। यह नर्सिंग अटेंडेंट व्यक्तिगत रूप से प्राइवेट या डीलक्स वार्ड में भी नर्सिंग सेवाएं दे रहे हैं। बीमार व्यक्ति को घर पर तो इसका लाभ मिल ही रहा है। बुजुर्ग और अशक्त भी इसकी मदद से दिनचर्या को नियमित रख पा रहे हैं। एसआरएमएस की ओर से पहली फरवरी से शुरू हो चुकी होम नर्सिंग की सुविधा को काफी लोग हासिल कर चुके हैं। पहले चरण में



बीडीए क्षेत्र में रहने वालों को ही यह सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

- डा.आर.पी.सिंह, डिप्टी मेडिकल सुपरिंटेंडेंट  
एसआरएमएस हॉस्पिटल, बरेली

 **जानकारी के लिए यहां करें**  
0581-2582000, 09458705112

### कैसे हासिल करें होम नर्सिंग की सुविधा

होम नर्सिंग के लिए नर्सिंग अटेंडेंट की मदद लेने के लिए आपको एसआरएमएस फोन करना पड़ेगा। किस तरह की सुविधा चाहिए, बताना होगा। एसआरएमएस के कर्मचारी फोन पर आपकी परेशानी को समझेंगे और फिर जरूरत के हिसाब से पुरुष या महिला नर्सिंग अटेंडेंट मदद को भेजी जाएगी। इसके लिए सुविधा लेने वाले और संबंधित नर्सिंग अटेंडेंट दोनों की लिखित सहमति आवश्यक होगी। नर्सिंग अटेंडेंट प्रतिदिन आपका चेकअप कर अपनी रिपोर्ट एसआरएमएस को भेजेगा।

आपके स्वस्थ होने पर एसआरएमएस का स्टाफ फिर आपसे संपर्क करेगा और नर्सिंग अटेंडेंट के काम का फीडबैक लेगा। संतुष्ट होने पर होम नर्सिंग की यह सुविधा आप जरूरतमंद को भी रिकमंड कर सकते हैं।

### दिन, रात या पूरे दिन की देखभाल

होम नर्सिंग की सुविधा दिन, रात या फिर पूरे 24 घंटों के लिए ली जा सकती है। जरूरत को देखते हुए मदद के लिए नर्सिंग अटेंडेंट को कम से कम तीन या उससे ज्यादा दिन (महीने भर तक) भी आप साथ रख सकते हैं। हां इसके लिए समय और दिन के हिसाब से अलग अलग वाजिब भुगतान संबंधित एसआरएमएस को करना होगा।





## कंफर्ट जोन की गाय से दूर रहे



तूफान से बचने और रात गुजारने के लिए अपने शिष्य के साथ एक बौद्ध भिक्षु ने किसी गांव में एक किसान के यहां शरण ली। टूटी झोपड़ी होने के बाद भी किसान ने दोनों का यथोचित सत्कार कर सोने का इंतजाम किया। सुबह वहां से निकलते समय भिक्षु ने किसान से उसकी आजीविका के बारे में पूछा। किसान ने खेती योग्य जमीन होने की बात कही। लेकिन खेती न कर एक पालतू गाय का दूध बेच परिवार के गुजारे के जानकारी दी। गांव से बाहर आकर भिक्षु ने अपने शिष्य से किसान की गाय को पहाड़ी से गिराने को कहा। शिष्य ने ऐसा करने से मना किया, इसकी वजह पूछी। बौद्ध भिक्षु ने बाद में इसका जवाब देने की बात कही और आदेश पालन को कहा। शिष्य ने न चाह कर भी ऐसा किया। कुछ साल बाद यह दोनों भ्रमण करते हुए फिर इसी गांव पहुंचे। टूटी झोपड़ी की जगह आलीशान मकान देख रुके। बौद्ध भिक्षु ने वहां मौजूद किसान को पहचाना, पास बुलाया। टूटी झोपड़ी की जगह मकान बनने की कहानी पूछी। किसान ने बताया कि कुछ साल पहले पहाड़ी से गिर कर उसकी गाय मर गई। परिवार पालने का इकलौता सहारा छिने के बाद मजबूरन खेत में मेहनत करनी पड़ी। नतीजा अच्छी फसल के रूप में आया। यह सिलसिला चलता रहा। आर्थिक स्थिति ठीक होती गई। झोपड़ी की जगह आलीशान मकान बन गया। बात सुन कर बधाई देते हुए दोनों वहां से चल दिए। गांव से बाहर आकर भिक्षु ने शिष्य से कहा कि तुम्हें अपने सवाल का जवाब मिल गया। गाय किसान का कंफर्ट जोन बन गई थी। खेत होने के बाद भी किसान परिवार इसीलिए गरीब था। कंफर्ट जोन टूटने के बाद किसान मेहनत करने लगा और परिवार समृद्ध होता गया। सभी को गाय रूपी यही कंफर्ट जोन से बाहर निकलने की जरूरत है।

-कमल सिंह, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर यूएन ग्लोबल कापैक्ट इंडिया (एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के दीक्षांत समारोह में संबोधन के अंश)

## ALUMNI SAYS



Shri Ram Murti Smarak College of Engineering and Technology (EC-2000 Batch) has grounded me with technology head and have fueled me with passion and humility I need to overcome challenges in dynamic technology world. Currently I am the Director for Technical and Service Design supporting BT's Global Services division, a leading global business communications provider, supplying ICT services to 5,500 multinational companies in 180 countries.

I have worked for close to 14 years in the ICT sector, supporting the digitalization of some of the world's most valuable and complex organizations. As Director, I am driving transformation for repositioning Global Services as a more focused digital business, prioritizing the innovation of cloud-based platforms that deliver products and services, with BT's global network at the core, to support the digital transformation of its customers.

I have been at BT since 2012 in a variety of roles right from Project Managing of Cyber Security Programs to building technical design capability for BT Security & BT Compute portfolio in India, most recently Portfolio Head of BT Compute & BT Connect, driving technology advancement which in turn results in efficient & effective design outcome for global customers.

Before joining BT, I gained industry sector expertise by leading Bharti Airtel's Managed IT Services(Data centers) offering to multinational customers.

Apoorv Srivastava, Director, Technical & Service Design, BT Global Services.

## WORKING CAPITAL FINANCE & BANKING POLICY IN INDIA

An Exploratory Study



Corporate world is full of business organizations of varying sizes. Start of any business requires two types of capital viz. long-term capital and short-term capital. Long-term capital is generally used for buying long-term assets of the business and once the business is established its day-to-day business operations require short-term capital for investment in short-term assets or current assets. The short-term capital required for meeting day-to-day operational expenses of any business organization is known as Working Capital. Working capital needs of businesses fluctuate due to varying levels of business activity. The working capital needs of any business organization can be financed from various sources. It is the responsibility of the finance manager to arrange the working capital requirement of the firm effectively and efficiently. This exploratory research attempts to examine various sources of working capital finance available to the business organizations in India. It also studies chronological evolutionary history of banking policies related to working capital financing and highlights the salient advancements taken place in it so far. Study concludes with a briefing of sources of working capital finance and analysis of relevance of banking policy in growth of our economy in the current scenario.

Prof. (Dr.) Ashutosh Bajpai  
SRMS International Business School  
Lucknow

## प्रभाकर और विजय ने टीबी पीड़ित बच्चों को लिया गोद



डीन एसआरएमएस सीईटी प्रोफेसर प्रभाकर गुप्ता और फैंकेल्टी विजय कुमार शर्मा ने टीबी पीड़ित बच्चों को गोद लिया है। इन बच्चों के इलाज में होने वाला सारा खर्च यह दोनों लोग उठाएंगे।

गवर्नर आनंदी बेन ने उत्तर प्रदेश से टीबी उन्मूलन का संकल्प लिया है। उनकी ओर से शिक्षण संस्थानों से बीमार बच्चों को गोद लेकर उनके इलाज को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उनके आदेश के बाद डा.एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने अपने संबद्ध इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट कालेजों को टीबी उन्मूलन में योगदान को कहा। इसके लिए टीबी प्रभावित बच्चों को गोद लेकर उनका इलाज सुचारू करवाने की अपेक्षा की थी। विश्वविद्यालय ने गोद लेने वाले शिक्षकों और कर्मचारियों की सूची 28 फरवरी तक मांगी थी जिसके जवाब में एसआरएमएस सीईटी की ओर से टीबी से प्रभावित दो बच्चों को गोद लेने की सूचना दी गई।



इस पर एसआरएमएस कालेज आफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी के डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर प्रभाकर गुप्ता और एमई डिपार्टमेंट के फैंकेल्टी विजय कुमार शर्मा ने क्रमशः करिश्मा (उम्र 15 वर्ष) निवासी पीपलसाना (भोजीपुरा) और मुस्तकार (उम्र 18 वर्ष) निवासी अभयपुर (भोजीपुरा) को गोद लेने की सूचना विश्वविद्यालय को भेजी है।



## हमारे बच्चे को एसआरएमएस ने बचाया



फरीदपुर के गांव पौन नगला निवासी गोविंद कुमार मौर्य ने अपने 13 वर्षीय बेटे नितेश को शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। उसे लगातार उल्टियां हो रही थीं। चलने में भी वह असमर्थ था। डाक्टर ने इसकी वजह गुलियन बैरे सिंड्रोम बतायी। घबराये गोविंद अगले ही दिन 16 जनवरी को बेटे को लेकर एसआरएमएस मेडिकल कालेज पहुंचे। डा. प्रीति लता राय ने उसे देखा। संक्रमण सीने तक पहुंचने से सांस लेने में भी नितेश असमर्थ था। तुरंत उपचार शुरू हुआ। परिजनों को बीमारी और लंबे इलाज की जानकारी दी गई। दवाइयों और फिजियोथैरेपी से कुछ ही दिन में अच्छे परिणाम आने शुरू हुए। करीब चालीस दिन बाद 25 फरवरी को उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। गोविंद कहते हैं कि उनके बेटे को एसआरएमएस ने नया जीवन दिया। वरना पहले तो इस बीमारी के नाम ने ही डरा दिया था। डाक्टर, नर्सिंग और सहायक स्टाफ की टीमरदारी को गोविंद अस्पताल दस में से दस नंबर देते हैं।

## SRMS को 9.7 नंबर देता है अरोरा परिवार



बरेली के प्रियदर्शनीनगर निवासी राजेंद्र कुमार अरोरा फार्मिंग करते हैं। सितारगंज के पास उनके खेत हैं। वहां जाना आना होता रहता है। 20 फरवरी को वह सितारगंज से वापस बरेली लौट रहे थे। रात करीब 11.30 बजे भोजीपुरा के पास गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली बीच में आने पर एक्सीडेंट हो गया। राजेंद्र घायल हुए। सिर और नाक पर चोट आई। घटना की जानकारी पर बेटे प्रतीक घटनास्थल पर पहुंचे और पिता को एसआरएमएस लेकर आए। इमरजेंसी में तुरंत उन्हें अटेंड किया गया। एक्सरे, सीटी स्कैन सहित अन्य जांचें हुईं। इलाज शुरू हुआ नाक की टूटी हड्डी को जोड़ने के लिए आपरेशन हुआ। पांच दिन में राजेंद्र पूरी तरह स्वस्थ हो गए। 26 को उन्हें घर जाने की इजाजत मिल गई। घर जाते समय उन्होंने अस्पताल स्टाफ के साथ डा. रोहित शर्मा, डा. विनीत शर्मा और डा. नंदिनी का आभार जताया। बेटे प्रतीक ने अस्पताल को दस में से 9.7 नंबर दिए। उन्होंने की एसआरएमएस बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा है।

### Review/ Research Paper published by the faculty and students in month of Feb

1- Review/ Research Paper on Formulation and Optimization of Oil Entrapped Floating Alginate Beads of Diclofenac Sodium by Dr. Lalit Singh, AK Gangwar, U Prakash Published by Saudi Journal of Medical and Pharmaceutical Sciences, 2020; 6(1): 37-41.

2- Review/ Research Paper on An Eco-friendly Approach for Fabrication of Silver Nanoparticles by Using Ascorbic Acid from Various Native Sources by Dr. Lalit Singh, A Gupta, G Rathor Published by International Journal of Pharmaceutical Research, 2020; 12(2): 41-48.

3 - Review/ Research Paper on Fast dissolving tablet: An Opportunity for treatment of Epilepsy Published by Aditya Prakash Varshney\*, Md. Semimul Akhtar.

4-Review/ Research Paper on An Overview: Identifications And Activities Of Calotropis Procera Leaves Published by Md. Semimul Akhtar\* and Soeb Hussain.

5-Review/ Research Paper on Formulation And Evaluation of Fast Dissolving Tablets Of Antiepileptic Drug Published by Md. Semimul Akhtar.

6- Review/ Research Paper on A comprehensive review on Fast Dissolving Tablets: A Promising Dosage forms Published by Md. Semimul Akhtar.

7- Review/ Research Paper on Effect of zero gravity on bioavailability of drug Published by Ishan bansal.

### Review/ Research Paper accepted in conference in month of Feb

- Review/ Research Paper of Ms. Aparna Gupta's topic of Nanorobots: A medical defence accepted in National conference on "Future prospects of pharmacy professionals in national economic growth"

- Review/ Research Paper of Ms. Nida Parveen's topic of reparation and Evaluation of ocuserts of an antifungal drug accepted in National conference on "Future prospects of pharmacy professionals in national economic growth"

- Review/ Research Paper of Ms. Shipra



Sharma's topic of Curcumin loaded gel used in treatment of psoriasis accepted in National conference on "Future prospects of pharmacy professionals in national economic growth"

- Department of Computer Science, SRMS CET Student Harshavardhan Chaturvedi's project has been shortlisted under the AKTU "One District One Product" Project Scheme. Project Title is App and website for boosting Production and Selling (Black Pottery). Total 157 project ideas were submitted from various students of different colleges from all over UP, Out of which only 14 are shortlisted. It's glad to know that one project idea is selected from our college.



## Events of previous Month (Feb 20)

**February First** - 6th National Conference on Emerging Trends Influencing Business & Management in the Current Era in Lucknow organized by SRMS International Business School

04- Felicitatation of Cancer survivors on World Cancer Day organized by Radiation Oncology Dept in Alakhnanda Resort.

06- Three Day UP- UK Microcorn 2020 Workshop organized by Microbiology Dept.

07- Pool campus recruitment drive in SRMS college of Engineering & Technology Bareilly.

08- 19th Convocation of SRMS Trust Institutions in Centennial Auditorium.

09- Arthroplasty Syposium 2020 organized by Orthopaedics Dept.

10- Two Days Dr. Abdul Kalam Art & Cultural Zonal Fest organized by SRMS College of Engineering Technology & Research.

14- Two Days Zest (Cultural) & Amod (Sports) Fest Antaragni organized by SRMS College of Engineering Technology & Research.

21- National Conference on Recent Trends in Computer Science & Engineering Research Organized by CS & IT Department of SRMS CETR.

- Yantrotsav Volume-I (Tech Fest) Organized by ME Department of SRMS CETR.

22- RMA Excellence Health Care Services Award 2020 to SRMS given by Labour & Employment Minister Santos Gangwar.

28- Institutions of Engineers IE (I) Sponsered One Day Seminar on Solutions of Heat Transfer and Fluid Flow Problems through CFD Approach organiazed by ME Department of SRMS CETR.

- Two Days Cultural & Technical Event INCEPTRA 2020 organized by SRMS Institute of Paramedical Sciences Bareilly



Inauguration of Cultural & Sports Fest Antaragni

Art & Cultural Zonal Fest



19th Convocation of SRMS Trust Institutions



UP- UK Microcorn 2020 Workshop



Felicitatation of Cancer survivors



INCEPTRA 2020



Zest & Amod Fest Antaragni



## Events of Present month (March 20)

05- Spirometry Workshop organized by Respiratory & Critical Care Medicine.

06- Spirometry Workshop organized by Respiratory & Critical Care Medicine.

14- A Comprehensive Mechanical Ventilation Course from Basic to advance Simulation based Workshop organized by Respiratory & Critical Care Medicine.

15- A Comprehensive Mechanical Ventilation Course from Basic to advance Simulation based Workshop organized by Respiratory & Critical Care Medicine.

21- 12th SRMS Contouring Classes Workshop organized by Radiation Oncology Dept.

25- Management of AF Patients with ACS undergoing PCI organized by General Medicine Dept.

28- Use of Ultrasound in Pediatrics Practice organized by Pediatrics Dept.





E-mail : [srmset@srmscet.ac.in](mailto:srmset@srmscet.ac.in) • Website : [www.srms.ac.in](http://www.srms.ac.in)



E-mail : [info@srmswcet.ac.in](mailto:info@srmswcet.ac.in) • Website : [www.srms.ac.in](http://www.srms.ac.in)



E-mail : [info@srmsims.ac.in](mailto:info@srmsims.ac.in) • Website : [www.srmsims.ac.in](http://www.srmsims.ac.in)



E-mail : [info@srmsims.ac.in](mailto:info@srmsims.ac.in) Website : [www.srms.ac.in/ims](http://www.srms.ac.in/ims)



E-mail : [srmset.lucknow@srmscet.edu](mailto:srmset.lucknow@srmscet.edu) • Website : [www.srms.ac.in/cetunnao](http://www.srms.ac.in/cetunnao)



E-mail : [info@ibs.srms.ac.in](mailto:info@ibs.srms.ac.in) • Website : [www.srms.ac.in/ibs](http://www.srms.ac.in/ibs)



E-mail : [collegeofnursing@srms.ac.in](mailto:collegeofnursing@srms.ac.in) • Website : [www.srms.ac.in/nursing](http://www.srms.ac.in/nursing)



E-mail : [ips@srms.ac.in](mailto:ips@srms.ac.in) • Website : [www.srms.ac.in/paramedical](http://www.srms.ac.in/paramedical)



E-mail : [collegeoflaw@srms.ac.in](mailto:collegeoflaw@srms.ac.in) • Website : [www.srms.ac.in/law](http://www.srms.ac.in/law)



E-mail : [info.cnps@srms.ac.in](mailto:info.cnps@srms.ac.in) • Website : [www.srms.ac.in/cnps](http://www.srms.ac.in/cnps)



E-mail : [step2life@srms.ac.in](mailto:step2life@srms.ac.in), [srmsfmc@srms.ac.in](mailto:srmsfmc@srms.ac.in)  
Website : [www.srms.ac.in/step2life](http://www.srms.ac.in/step2life), [www.srms.ac.in/fmc](http://www.srms.ac.in/fmc)



E-mail : [goodlife@srms.ac.in](mailto:goodlife@srms.ac.in) • Website : [www.srms.ac.in/goodlife](http://www.srms.ac.in/goodlife)



## SRMS TRUST SERVICES TO COMMUNITY

### SRMS SAMUDAİK SEWA YOJANA

Started in year 2008, trust provides free vocational training to socially and economically backward people of adjoining areas in different vocations like Carpentry, Welding, Turning, Wiring, EPBAX-Operation, X-ray Technicians, ECG Technicians and Computer Literacy. All students admitted are offered stipend by the trust.

### SRMS JANHIT CHIKITSA YOJANA

The programme was inaugurated on 4th July 2009 with an objective to provide free treatment to patients who are deprived of the treatment due to financial constraints. The trust provides free of cost food, admission, investigations, medicines and surgery (if needed) to 6 patients every day. The annual budget of 50 lakh is allocated under this scheme. Total 500 JCY patients have been provided indoor treatment in 2018.

### SRMS SAMUDAYIK SWASTHYA YOJNA

SRMS Samudayik Swastha Yojana was started in July 2013 at SRMSIMS (Hospital) to provide high quality medical treatment / investigation upto Rs. 25,000/- only on the serving cost of Rs. 365/- per year i.e. Rs. 1/- per day. Approx 19390 registrations have been done so far and out of which 13541 members have been benefitted under this scheme in 2018. Total cost borne by the Trust in the treatment was around 1.34 Crore.

### FREE PHARMACY

The institute is running 5 pharmacy shops - two in SRMS rural health centers (Dhaura Tanda & Bhairpura village), one in SRMS urban health center (Rampur Garden, Bareilly) & 2 in SRMS hospital which are providing free medication & consumables to the poor patients. Free medicines & consumables worth around 1.4 crore/- have been provided in the year 2018.

### CATARACT ERADICATION PROGRAM

The program was started in 2002 and till date more than 694 internal and external camps have been organized for screening of patients having cataract. More than 17000 patients have been successfully operated by the team of SRMS Doctors.

### SRMS MOBILE HOSPITAL

An unique initiative of the institute is to start two MOBILE HOSPITAL which are equipped with minor OT, digital recording of patient's demographic and vitals, diagnostic facilities such as general blood investigations, X-ray, Ultrasound, Mammography, ECG, Audiometry, Refraction, free pharmacy etc with the objective to provide free medical facilities to the people at their door step. After having inaugurated by Hon'able Chief Minister Shri Akhilesh Yadav on 18 Oct 2015, mobile hospital has visited 543 rural areas of Bareilly district in which total 135000 patients were examined for various diseases. 13116 pathology tests, 6189 radiology investigations, 3361 audiometry, 7999 refractions were performed and all patients were given required medication free of cost.



### SRMS TELEMEDICINE CENTRE

SRMS has established a Telemedicine Centre at village Bhairpura, Bareilly in collaboration with HP (Hewlett-Packard). This centre has the facility of the video conferencing which is linked with SRMS Hospital to provide with specialist opinion to the patients residing in remote areas. In this centre, facilities of routine blood tests, ECG, Spirometry and vitals along with free medicine distribution are available.

### FREE BEDS IN SRMS HOSPITAL

The Trust has provision for 400 Beds in SRMS Hospital whereby the patient is not charged any amount for Bed, Consultation Fee, Surgical Charges and O.T. Charges in General Ward.

### GOVERNMENT HEALTH PROGRAMS

The Trust is running various Government sponsored Health Programs in its Hospital, such as -Revised National Tuberculosis Program (DOTS), Janani Suraksha Yojana, Family Planning & Welfare Program, Vaccination Program, ICTC Centre for AIDS, Rashtriya Swasthya Bima Yojana etc. Our microbiology lab has been accredited as 'National Certified Microbiology Lab' for 9 districts for followup MDR patients under Revised National Tuberculosis Program (RNTCP)

### PM JAN AROGYA YOJNA

More than 600 patients have been treated under this scheme since October 2018.

### MOBILE TELEMEDICINE CENTRE

SRMS Mobile Telemedicine Bus was started in 2017. It is equipped with basic diagnostic facilities and free pharmacy with video conferencing facility through which specialist doctor at SRMS Telemedicine studio provides consultation and prescribes medicines. This bus visits every day except Sunday to the rural areas for delivery of medical services. This facility was inaugurated by Hon'able Health Minister of U.P. Shri Siddharth Singh Ji.

### SRMS FREE CAMPS

In year 2018, total 266 free medical camps of various specialities and super specialities were organized in Bareilly and other districts in which 36500 patients were given free consultation, general investigations and required medicines.